ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-I*AUGUST-2013
Periodic Research

# अनुसूचित जाति व विकास : विकास योजनाओं का अनुसूचित जाति के परिवारों पर प्रभाव व लाभ का अध्ययन करना

**अनीता वर्मा**
शोधार्थिनी– सिंहानिया वि"वविद्यालय, झुझूनू (राजस्थान)

**सारांश**

अनुसूचित जाति के विकास के लिए केन्द्र तथा राज्य दोनों सरकारों द्वारा विशेष ध्यान दिया जाता है। विभिन्न आयोग, संस्थाएं, कल्याणकारी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग जिसका कार्य संवैधानिक संरक्षणों, सरकारी सेवाओं में आरक्षण से सम्बन्धित सभी मामलों की जांच करना और उनके सशक्तीकरण हेतु अपेक्षित साधन और उपयुक्त विभिन्न प्रकार्य उचित रूप से सम्पादित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है जिससे वह सामाजिक रूप से अपने को असहाय महसूस न करे और उनका सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनैतिक विकास हो सके। प्रस्तुत शोध पत्र में विभिन्न विकास योजनाओं के प्रति अनुसूचित जाति के परिवारों की जागरूकता व जानकारी को चुना गया है। यह शोध प्रपत्र लखीमपुर–खीरी जनपद के निघासन तहसील के अन्तर्गत अध्ययनरत तीन गांवों मोतीपुर, उमरा, भेड़ौरी में निवास करने वाले अनुसूचित जाति के 300 परिवारों के साक्षात्कार पर आधारित हैं।शोध कार्य में यह पाया गया कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के लिए बहुत सारी योजनायें तथा सुविधायें उपलब्ध करायी जाती हैं जिससे अनुसूचित जाति के परिवारों का सामाजिक, आर्थिक विकास तथा उनके जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन सुविधाओं का पूरा–पूरा लाभ कुछ योजनाओं से ही मिल रहा है लेकिन अधिक से अधिक लाभ उन्हीं लोगों को मिल रहा है जो शहरी क्षेत्र व उनके निकटस्थ स्थित गांवों में रहने वाले परिवारों से सम्बन्धित है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीब परिवारों में विकास योजनाओं की जागरूकता की कमी है। जागरूकता की कमी के कारण ही इन विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। योजना के विषय में जागरूकता का अभाव ही योजना की सफलता की मुख्य बाधा है।

शोध कार्य की उपलब्धियाँ यह सुझाव देती हैं कि विकास योजनाओं के प्रति लोगों को शिक्षित किया जाये जिससे आम लोगों की योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़े। योजनाओं के उद्देश्यों एवं लाभों को अशिक्षित तथा अज्ञानी परिवारों को ठीक ढंग से बताना तथा समझने की आव"यकता है।

**मुख्य शब्द** : श्रेणीबद्ध विभाजन, मनरेगा विकास योजना

**प्रस्तावना**

अनुसूचित जाति का तात्पर्य उन जातियों से है जिन्हें धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक सुविधायों दिलाने के लिए है जिनका उल्लेख संविधान की अनुसूची में किया गया है। अनुसूचित जाति जिसे कई नामों से जाना जाता है। 1931 की जनगणना में उन्हें 'बाहरी जाति' के रूप में सम्बोधित किया गया। अम्बेडकर के अनुसार आदिकालीन भारत में उन्हें 'भग्नपुरुष' या बाह्य जाति माना जाता था। अंग्रेज उन्हें 'दलित वर्ग' व महात्मा गाँधी जी ने उन्हें 'हरिजन' का नाम दिया।

भारतीय समाज में जाति प्रथा सामाजिक संरचना की सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रणाली है। यह सामाजिक संस्तरण की ऐसी व्यवस्था है जिसने भारतीय समाज को व"ाानुगत, श्रेणीबद्ध पद समूहों में विभक्त किया है। जातिगत विभाजन को ई"वरीय प्रदत्त श्रेणीबद्ध विभाजन माना गया है जो विभिन्न जातियों के मध्य सामाजिक अन्तःक्रिया और सहवास का एक प्रतिमान निर्धारित करती है जो उच्च जातियों की श्रेष्ठता और निम्न जातियों की निम्न दूरस्थ सामाजिक स्थिति पर आधारित है इस संस्तरण प्रणाली में सर्वोच्च ि"ाखर पर ब्राह्मण और निम्नतम स्तर पर अस्पृ"य है। अस्पृ"यता समाज की एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत अस्पृ"य समझी जाने वाली जातियों के व्यक्ति सवर्ण हिन्दुओं को स्प"र्ा नहीं कर सकते हैं।

**अध्ययन का उद्देश्य**

विभिन्न विकास योजनाओं का अनुसूचित जाति के परिवारों पर प्रभाव व लाभ का अध्ययन करना एवं समाधान व सुझाव देना।

**अध्ययन विधि**

इस शोध–प्रपत्र के लिए लखीमपुर–खीरी जनपद के निघासन तहसील के अन्तर्गत अध्ययनरत तीन गाँवों मोतीपुर, उमरा भेडौरी में निवास करने वाले अनुसूचित जाति के 300 परिवारों का चयन किया गया। उत्तरदाताओं से साक्षात्कार हेतु अनुसूची का प्रयोग किया गया जिसका प्रथम भाग सामान्य जानकारी व दूसरा भाग विकास योजनाओं का अनुसूचित जाति के परिवारों में जागरुकता तथा प्रभावों से सम्बन्धित है। इस शोध–प्रपत्र में आँकड़ों का संकलन अनूसची के माध्यम से साक्षात्कार द्वारा किया गया है। सभी आँकड़ों को सारिणी के रूप म प्रद"ित किया गया साथ ही सारिणियों के चरों की आवृत्ति एवं उनके प्रति"ात की गणना की गयी है। प्रति"ात व मध्यमान के सांख्यकीय सूत्रों का प्रयोग भी किया गया है।

प्रति"ात = चरों की बारम्बारता/चरों का कुल योग x 100

मध्यमान = $\Sigma$ प्राप्तांकों का योग/प्राप्तांकों की संख्या

**Review Literature**

Tiwari et. al, 2005 The present work is an attempt to assess the impact of development programmes on socio-economic status of the most deprived, excluded, downtrodden section of the society i.e., schedule caste, to whom the economic development bypassed because of their socio-economic isolation. It differs from existing literature by differences in geographic coverage, time span, and use of self-reported household benefits across a broad range of programmes. Socio-economic status can be defined as ranking of the family in the surroundings to which the family belongs, in respect of defined variables viz., physical assets, economic status, education, occupation, social position, social participation, caste, muscle power, political influence, etc.

लुई (2003) ने जाति आधारित भेदभाव, संवैधानिक उपबन्धों तथा दलितों से सम्बन्धित अन्य मुद्दों पर प्रका"ा डालते हुए बताया कि संस्थागत रूप से संचालित भेदभाव में दलित जातियों को अन्य जातियों की तुलना में निम्न स्तर पर ला दिया है अ"िाक्षा, गरीबी, कुपोषण, अस्वस्थ्य इत्यादि ही मात्र उनकी निम्न स्थिति का परिचायक ही नहीं है, बल्कि अन्तिम रूप से इन जातियों को अन्य संसाधनों के द्वारा भी शक्ति विहीन एवं आधार विहीन समुदाय बना दिया गया है।

सिंह, (1977) के अनुसार अनुसूचित जातियों में जिस परिवर्तन की हमें अपेक्षा थी वह कहीं देखने को नहीं मिला। अब भी हरिजन कच्चे मकानों में रहते हैं और जो वि"ोषाधिकार उन्हें मिले हैं उसका प्रयोग भी वे पूरी तरह से नहीं कर पा रहे हैं परिवर्तन तो तब समझा जायेगा जब जातियों की सोपान व्यवस्था में उनका स्थान ऊँचा उठ जाये।

प्रपत्र के शेष भाग में पायी गयी उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया गया है । इसी सन्दर्भ में सारिणी एक में विभिन्न योजनाओं के नाम व प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है ।

आँकड़ा संकलन एवं सांख्यिकीय विश्लेषण

सारणी संख्या–1

अत्यधिक लाभ वाली योजना के नाम व प्रभाव

| योजना का नाम | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|
| इन्दिरा आवास योजना | 137 | 45.7 |
| इन्दिरा आवास योजना, छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना | 1 | .3 |
| इन्दिरा आवास, महात्मा गाँधी, राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी योजना | 2 | .7 |
| इन्दिरा आवास, मनरेगा आ"ाा योजना | 2 | .7 |
| इन्दिरा आवास, मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना | 3 | 1.0 |
| इन्दिरा आवास, आ"ाा योजना, सम्पूर्ण ग्राम रोजगार योजना | 1 | .3 |
| इन्दिरा आवास, छात्रवृत्ति योजना, आ"ाा योजना | 21 | 7.0 |
| इन्दिरा आवास, छात्रवृत्ति योजना, विधवापें"ान योजना | 3 | 1.0 |
| इन्दिरा आवास योजना, विधवा पें"ान योजना | 1 | .3 |
| महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी योजना | 4 | 1.3 |
| मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना | 13 | 4.3 |
| मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना | 2 | .7 |
| मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना | 1 | .3 |
| मनरेगा, राष्ट्रीय परिवार योजना | 1 | .3 |
| समन्वित बाल विकास सेवा कार्यक्रम | 1 | .3 |
| सम्पूर्ण ग्राम रोजगार योजना, छात्रवृत्ति योजना | 1 | .3 |
| छात्रवृत्ति योजना | 24 | 8.0 |
| छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना | 1 | .3 |
| छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना | 5 | 1.7 |
| नहीं अन्य | 76 | 25.4 |
| योग | 300 | 100 |

विकास योजनाओं का अनुसूचित जाति के परिवारों पर प्रभाव के अन्तर्गत 300 उत्तरदाताओं का अध्ययन किया गया है जिसमें अत्यधिक लाभ वाली योजना के प्रभाव में 137 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात 45.7 है 1 उत्तरदाता को इन्दिरा आवास, छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात .3 है। 2 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास, महात्मागाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारण्टी योजना का लाभ प्राप्त हुआ

जिनका प्रति"ात .7 है। 2 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास, मनरेगा, आ"ाा याजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात .7 है। 3 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास, मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात 1.0 है। 1 उत्तरदाता को इन्दिरा आवास आ"ाा योजना, सम्पूर्ण ग्राम रोजगार योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात .3 है।

21 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास योजना, छात्रवृत्ति योजना आ"ाा योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात 7.0 है। 3 उत्तरदाताओं को इन्दिरा आवास योजना, छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात 1.0 है। 1 उत्तरदाता को इन्दिरा आवास योजना, विधवा पें"ान योजना का लाभ प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात .3 है।

4 उत्तरदाताओं को मनरेगा विकास योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात 1.3 है। 13 उत्तरदाताओं को मनरेगा, छात्रवृत्ति विकास योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात 4.3 है। 2 उत्तरदाताओं को मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात .7 है।

1 उत्तरदाता को मनरेगा, छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात . 3 है। 1 उत्तरदाता को मनरेगा, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात .3 है। 1 उत्तरदाता को समन्वित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत आ"ाा योजना का लाभ प्राप्त था जिनका प्रति"ात .3 है 1 उत्तरदाता को सम्पूर्ण ग्राम रोजगार योजना, छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त हुआ था जिनका प्रति"ात .3 है। 24 उत्तरदाताओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त हुआ था जिसका प्रति"ात 8.0 है। 1 उत्तरदाता को छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का लाभ प्राप्त था जिसका प्रति"ात .3 है। 5 उत्तरदाताओं को छात्रवृत्ति योजना, विधवा पें"ान का लाभ प्राप्त हुआ था जिनका प्रति"ात 1.7 है। 76 उत्तरदाता को योजना का लाभ नहीं प्राप्त हुआ जिनका प्रति"ात 25.4 है।

इस सारणी से स्पष्ट है कि विकास योजनाओं में सबसे अधिक प्रभावपूर्ण इन्दिरा आवास योजना रही 300 उत्तरदाताओं में से 137 उत्तरदाताओं के परिवार पर इस योजना का प्रभाव अच्छा पड़ा सबसे अधिक लाभ वाली योजना इसलिए रही कि गरीबों की मूलभूत आव"यकता की पूर्ति में इस योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी तथा परिवार के लोगों के रहन–सहन की स्थिति में भी सुधार हुआ। 24 उत्तरदाताओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त हुआ था। इस योजना से बच्चों की शैक्षिक स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ।

**सारिणी –2 में सरकारी आवासीय योजना के लाभ व प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है ।**

सरकारी आवासीय योजना का लाभ व प्रभाव

| सरकारी आवासीय योजना का लाभ | आवृत्ति | प्रति"ात |
|---|---|---|
| हाँ | 175 | 58.3 |
| नहीं | 62 | 20.7 |
| अन्य | 63 | 21.0 |
| कुल | 300 | 100 |

सरकारी आवासीय योजना के लाभ में कुल 300 उत्तरदाताओं का अध्ययन किया गया जिसमें से 175 उत्तरदाताओं ने सरकारी आवासीय योजना के लाभ में हाँ का जवाब दिया था जिनका प्रति"ात 58.3 है। 62 उत्तरदाताओं को सरकारी आवासीय सुविधा का लाभ प्राप्त नहीं हुआ था। जिनका प्रति"ात 20.7 है। 63 उत्तरदाता ऐसे थे जिन्होंने कोई सन्तोष जनक उत्तर नहीं दिया था जिनका प्रति"ात 21.0 है।

इस सारणी से स्पष्ट होता है कि सरकारी आवासीय योजना के लाभ में 58.3 प्रति"ात उत्तरदाता को लाभ प्राप्त हुआ और अनुसूचित जाति के परिवारों पर इस योजना का अच्छा प्रभाव पड़ा जो परिवार बिना आवास के जीवन व्यतीत कर रहे थे उनके झोपड़ीनुमा आवास की द"ाा दयनीय थी इस योजना से उन्हें आवास प्राप्त हुआ तथा रहन–सहन की स्थिति में भी परिवर्तन आया। अतः गरीबों के बीच आवास की कमी को दूर करने में इन्दिरा आवास योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

20.7 प्रति"ात उत्तरदाता को आवास योजना का लाभ प्राप्त नहीं था 21.0 प्रति"ात अन्य उत्तरदाता थे ये वे उत्तरदाता थे जिनमें कुछ बी0पी0एल0 सूची में नहीं थे कुछ को योजना की जानकारी नहीं थी।

**सारिणी संख्या –3 में महिला विकास कार्यकम का लाभ व प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है।**

महिला विकास कार्यक्रम का लाभ व प्रभाव

| लाभ | आवृत्ति | प्रति"ात |
|---|---|---|
| हाँ | 201 | 67.0 |
| नहीं | 99 | 33.0 |
| कुल | 300 | 100 |

महिला विकास कार्यक्रम के लाभ के सम्बन्ध में 300 उत्तरदाताओं का अध्ययन किया गया जिसमें 201 उत्तरदाताओं को महिला विकास कार्यक्रम का लाभ मिला था जिनका प्रति"ात 67.0 है। 99 उत्तरदाताओं को महिला विकास कार्यक्रम का लाभ नहीं मिला था। जिनका प्रतिशत 33.0 है।

उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि 67.0 प्रति"ात महिला उत्तरदाता महिला विकास योजना का लाभ उठा रही है इन महिलाओं पर महिला विकास कार्यक्रमों का अच्छा प्रभाव पड़ा है। यह अधिका"ा संख्या में वे महिला उत्तरदाता थी जो नई पीढ़ी और कुछ पुरानी पीढ़ी की थी जिन्हें प्राप्त लाभ व वि"ोषकर समन्वित बाल विकास सेवा की सबसे निचले स्तर की इकाई के अन्तर्गत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा एवं आ"ाा बहू के तहत जानकारी प्राप्त हुई। इसी कारण महिला विकास कार्यक्रमों

का लाभ उठा पायीं। 33.0 प्रतिशत उत्तरदाता महिला विकास योजना की लाभार्थी नहीं थी। जानकारी करने पर यह ज्ञात हुआ कि इन महिलाओं को महिला विकास कार्यक्रमों की जानकारी नहीं है।

**सारिणी संख्या–4 में आधारभूत मौलिक सुविधाओं का लाभ व प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है।**

आधारभूत मौलिक सुविधाओं का लाभ व प्रभाव

| उपलब्धता | पीने का पानी | | बिजली | | शौचालय | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | आवृत्ति | प्रतिशत | आवृत्ति | प्रतिशत | आवृत्ति | प्रतिशत |
| हाँ | 293 | 97.7 | 42 | 14.0 | 169 | 56.3 |
| नहीं | 3 | 1.0 | 92 | 30.7 | 117 | 39.0 |
| अन्य | 4 | 1.3 | 166 | 55.3 | 14 | 4.7 |
| कुल | 300 | 100 | 300 | 100 | 300 | 100 |

आधारभूत मौलिक सुविधाओं के लाभ में 300 उत्तरदाताओं के अध्ययन से आँकड़े सामने आये कि 293 उत्तरदाताओं को पीने के पानी की उपलब्धता है जिसका प्रतिशत 97.7 है। 42 उत्तरदाताओं को बिजली की उपलब्धता है जिनका प्रतिशत 14.0 है। 169 उत्तरदाताओं को शौचालय की उपलब्धता है जिनका प्रतिश 56.3 है। 3 उत्तरदाताओं को पीने के पानी की उपलब्धता नहीं है जिनका प्रतिशत 1.0 है। 92 उत्तरदाताओं को बिजली की उपलब्धता नहीं है जिनका प्रतिशत 30.7 है। 117 उत्तरदाताओं को शौचालय की सुविधा नहीं है जिनका प्रतिशत 39.0 है। 4 (1.3:) उत्तरदाताओं को पीने का पानी 166 (55.3:) उत्तरदाता को बिजली 14 (4.7:) उत्तरदाता को शौचालय की उपलब्धता में वे लोग थे जिन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया।

इस सारिणी से स्पष्ट होता है कि आधाभूत मौलिक सुविधाओं के लाभ में पीने के पानी की सुविधा का प्रभाव अच्छा पड़ा है।

**सारिणी संख्या –5 में अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं का पूरे परिवार पर, स्त्रियों पर, बच्चों पर प्रभाव को प्रस्तुत किया गया है।**

अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं का प्रभाव

| प्रभाव | पूरे परिवार पर | | स्त्रियों पर | | बच्चों पर | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | आवृत्ति | प्रतिशत | आवृत्ति | प्रतिशत | आवृत्ति | प्रतिशत |
| उच्च | 79 | 26.3 | 99 | 33.0 | 103 | 34.3 |
| मध्यम | 215 | 71.7 | 196 | 65.3 | 182 | 60.7 |
| निम्न | 4 | 1.3 | 3 | 1.0 | 13 | 4.3 |
| अन्य | 2 | 0.7 | 2 | 0.7 | 2 | 0.7 |
| कुल | 300 | 100 | 300 | 100 | 300 | 100 |

अध्यधिक लाभ वाली योजनाओं के प्रभाव के अन्तर्गत 300 उत्तरदाताओं का अध्ययन किया गया जिसमें 79 (26.3:) उत्तरदाताओं के पूरे परिवार पर अच्छा प्रभाव पड़ा। 99 (33.0:) उत्तरदाताओं के स्त्रियों पर उच्च प्रभाव दिखा। 103 (34.3:) उत्तरदाताओं के बच्चों पर उच्च प्रभाव दिखा।

215 (71.7:) उत्तरदाताओं के पूरे परिवार पर अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं का प्रभाव मध्यम दिखा। 196 (65.3:) उत्तरदाताओं के बच्चों पर मध्यम प्रभाव पड़ा। 4 (1.3:) उत्तरदाताओं के पूरे परिवार पर 3 (1.0:) उत्तरदाताओ की स्त्रियों पर 13 (4.3:) उत्तरदाताओं के बच्चों पर निम्न प्रभाव पड़ा। 2 (0.7:) उत्तरदाताओं के पूरे परिवार पर प्रभाव, स्त्रियों पर 2 (0.7:) बच्चों पर प्रभाव में अन्य थे।

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि सरकारी योजनाओं का चयनित अनुसूचित जातियों के पूरे परिवार पर सरकारी आवासीय योजना का सबसे अच्छा प्रभाव पड़ा है उनके रहने की दशा में सुधार हुआ, उनकी पारिवारिक स्थिति पहले की अपेक्षा वर्तमान में अच्छी है। अन्य सरकारी योजनाओं का प्रभाव मध्यम पड़ा जिसका कारण यह सामने आया कि परिवार के लोगों को अन्य योजनाओं की जानकारी ठीक से नहीं है जिसका मूल कारण उत्तरदाताओं की अशिक्षा व गरीबी, बेरोजगारी भी है। अनुसूचित जाति की स्त्रियों पर विकास योजनाओं का प्रभाव मध्यम पड़ा है। सबसे कारगर और प्रभावयुक्त योजनाओं में आशा बहू जिन्होंने गर्भवती स्त्रियों को प्रसव के पहले व प्रसव के उपरान्त आयरन की गोली टीकाकरण व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी भी समय–समय पर दी और लाभ भी दिलवाया लेकिन यह लाभ भी कुछ ही महिलाओं पर प्रभावी था क्योंकि दूसरी अन्य महिलाओं का अधिकांश प्रसव घर पर ही होते हैं। उन परिवार की स्त्रियों पर इस योजना का लाभ व प्रभाव अच्छा नहीं पड़ा। इसका प्रभाव उन्हीं महिलाओं पर अच्छा पड़ा जिनका प्रसव अस्पताल मे होता है और आशा बहू की देखभाल में। उत्तरदाताओं के बच्चों पर विकास योजनाओं का प्रभाव मध्यम पड़ा।

**सारिणी संख्या –6 में बचत या ऋण जैसी सरकारी सुविधाओं के लाभ व प्रभाव को प्रस्तुत किया है ।**

बचत या ऋण जैसी सरकारी सुविधाओं का लाभ व प्रभाव

| लाभ | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|
| हाँ | 6 | 2.0 |
| नहीं | 283 | 94.3 |
| अन्य | 11 | 3.7 |
| कुल | 300 | 100 |

बचत या ऋण जैसी सरकारी सुविधाओं का लाभ के अन्तर्गत 6 उत्तरदाताओं को लाभ प्राप्त हुआ था जिनका प्रतिशत 2.0 है। ये कम संख्या में वे उत्तरदाता थे जिन्हें बचत व ऋण वाली सरकारी सुविधाओं की जानकारी अच्छे से थी तथा शिक्षित भी थे। 283 उत्तरदाताओं को बचत व ऋण जैसी सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त नहीं था जिनका प्रतिशत 94.3 है। ये अधिक संख्या में वे उत्तरदाता थे जो अत्यधिक गरीब व अशिक्षित जिन्हें ऐसी योजनाओं की जानकारी नहीं थी।

इस सारणी से स्पष्ट होता है कि बचत या ऋण जैसी सरकारी योजनाओं का प्रभाव अनुसूचित जाति के परिवारों पर अच्छा नहीं पड़ा जिसका कारण सरकारी बचत व ऋण योजनाओं की जानकारी अच्छे से न होना दूसरा समय पर ऋण का भुगतान न कर पाना और मूल कारण गरीबी, बेरोजगारी अज्ञानता भी है।

**सारिणी संख्या–7 में अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं की जानकारी के स्रोत को प्रस्तुत किया गया है ।**

अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं की जानकारी का स्रोत

| स्रोत | आवृत्ति | प्रति"ात |
|---|---|---|
| प्रधान | 211 | 70.3 |
| ग्राम सेवक | 3 | 1.0 |
| स्कूल | 10 | 3.3 |
| अन्य | 76 | 25.4 |
| कुल | 300 | 100 |

अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं की जानकारी के सन्र्दभ में 211 उत्तरदाताओं को प्रधान के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई थी जिनका प्रति"ात 70.3 है। 3 उत्तरदाताओं को जानकारी का स्रोत ग्राम सेवक के द्वारा प्राप्त हुई थी। जिनका प्रति"ात 1.0 है। 10 उत्तरदाताओं को स्कूल के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई थी जिनका प्रति"ात 3.3 है। 76 उत्तरदाताओं को अन्य के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई थी जिनका प्रति"ात 25.4 है।

इस सारणी से स्पष्ट है कि अत्यधिक लाभ वाली योजनाओं की जानकारी का स्रोत में 211 उत्तरदाताओं को ग्राम प्रधान से जानकारी प्राप्त हुयी थी। इसका कारण हो सकता है कि ग्राम प्रधान ग्राम मे ही रहते हैं 3 उत्तरदाताओं को सबसे कम हैं जिन्हें जानकारी ग्राम सेवक से प्राप्त हुई थी।

निष्कर्ष एवं सुझाव

विभिन्न विकास योजनायें जो केन्द्र व राज्य दोनों सरकारों द्वारा चलायी जाती हैं जिसका प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर पड़ता है ये वर्ग चाहे किसी भी जाति क हों।

किसी भी विकास योजना की सफलता–असफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सम्बन्धित योजना की आम–आदमी को या सम्बन्धित व्यक्ति समुदाय संस्था जिसको ध्यान में रखकर योजना बनायी गयी है को कितनी अच्छी जानकारी है जितनी अधिक से अधिक जानकारी योजना के विषय में लोगों को होगी उतना ही उसका लाभ जनसामान्य को होगा और उसका प्रभाव भी अच्छा पड़ेगा।

लखीमपुर जनपद में अनुसूचित जाति के विकास के लिए केन्द्र तथा राज्य दोनों सरकारों द्वारा कल्याणकारी कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है इन विकास योजनाओं में कुछ ही विकास योजना का लाभ इन परिवारों को मिल पा रहा है। सरकारी आवासीय योजना का अनुसूचित जाति के परिवारों को लाभ प्राप्त हुआ इस योजना का अच्छा प्रभाव भी पड़ा गरीबों के बीच आवास की कमी को दूर करने में इन्दिरा आवास योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है मनरेगा का समुचित लाभ समाज के पिछड़े एवं कमजोर तथा वंचित वर्गों तक पहुँचाने के लिए इसमें और अधिक तेजी लाने की आव"यकता है। लेकिन विकास योजनाओं की प्रक्रिया धीमी है। इसका लाभ समय पर नहीं मिल रहा है।

सुझाव दिया जा सकता है कि सर्वप्रथम अनुसूचित जाति के परिवारों को ि"ाक्षित किया जाये तभी उनमें जागरुकता आयेगी और अधिक जागरुकता बढ़ाने के लिए आम–जनता को नई व पुरानी विकास योजनाओं को अच्छी तरह से जानना तथा समझने की आव"कता है। ग्रामीण स्तर पर उच्च ि"ाक्षा से सम्बन्धित विद्यालय की स्थापना की जाये खासकर महिलाओं को अपने ि"ाक्षा के स्तर को बेहतर करना होगा क्योंकि सरकारी योजनाओं एवं नीतियों को समझने के लिए वे अन्य किसी पर निर्भर न रह सके। तभी महिला विकास कार्यक्रम प्रभावी होगे।

अतः सुझाव दिया जाता है कि विकास योजनाओं को प्रभावी एवं सक्रिय बनाने के लिए योजनाओं को कार्यान्वित करने वाले विभागों को और अधिक सामंजस्य तथा सूझ–बूझ का परिचय देकर योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए तथा योजनाओं का निर्माण लोगों की स्थानीय समस्याओं के अनुरूप होनी चाहिए ।

**सन्दर्भ सूची**

1. Tiwari, S.C., Kumar Aditya, Kumar Ambrish, Development & standardizationaof a scale to measure socio-economic status in urban & rural communities in India, *indian Journal of Medical Research, 122, October 2005, pp 309-14.*
2. आहूजा, राम. 2005, भारतीय समाज. जयपुर : रावत पब्लिकेशन।
3. लुई, पी0 2003 पॉलिटिकल सोशियोलॉजी ऑफ दलित असर्शन, नई दिल्ली : ज्ञान पब्लिकेशन्स।
4. सिंह, योगेन्द्र. 1977 सोशल स्टर्टिफिकेशन्स एण्ड चेन्ज इन इण्डिया नई दिल्ली : मनोहर पब्लिकेशन्स।